हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में स्वत्रंतता दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ संस्थान के निदेशक, **डॉ. वी. पी, तिवारी** ने ध्वजारोहण कर किया गया । तदुपरांत वहां उपस्थित, संस्थान के समस्त अधिकारियों , कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने राष्ट्रगान किया ।

इस अवसर पर **डॉ. तिवारी** नें उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि आज देश की आज़ादी के 68 वर्ष पूरे हो गये हैं और आज हम 69वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए एकत्र हुए हैं । उन्होंने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2015 (रात्रि) को महामहिम राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम सन्देश एवं 15 अगस्त 2015 (प्रातः) प्रधानमंत्री महोदय के लालकिले की प्राचीर से दिए गए सम्बोधन का दृष्टान्त देते हुए कहा कि दोनों महान विभूतियों ने देश हित में किये जा रहे एवं किये जाने वाले कार्यों का उल्लेख किया । निदेशक महोदय ने विचार प्रकट किया कि भारत सरकार का एक संस्थान होने के नाते हम सभी का भी कर्तव्य है कि हम सब अपने काम के प्रति समर्पित रहें ताकि हमारा देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छू सके और देश की तरक्की में कहीं-न-कहीं हमारा भी योगदान हो । उन्होंने आगे कहा कि हमारा संस्थान देश के दो हिमालयी राज्यों, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-काश्मीर, में वानिकी अनुसंधान का कार्य कर रहा हैं, इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि हम देश के सबसे दुर्गम क्षेत्र में कार्य कर रहे है, हमारे पास जन और धन दोनों के ही सीमित संसाधन है परन्तु ख़ुशी की बात यह है कि इन सब के बावजूद परिषद् स्तर तथा वानिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही अन्य संस्थाओं द्वारा भी हमारे कार्यों की समय-समय सराहना

पर की जाती रही है, जिसके लिए संस्थान में कार्यरत सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं । आज के युग में बदलता पर्यावरण वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनता जा रहा है इसलिए उन्होंने संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि हम सभी को अपना कार्य पूर्ण इमानदारी एवं समपर्ण की भावना से करना चाहिए ताकि इसका लाभ आने वाली पीढ़ी को मिल सके । उन्होंने आगे बताया कि परिषद् की वित्तीय स्थिति को मध्यनजर रखते हुए इस वर्ष संस्थान द्वारा लगभग 14 अनुसन्धान परियोजनाएं विभिन्न संस्थाओं को वित्तीय सहायता हेतु भेजी गई है जिनमें से कुछ स्वीकृत भी हुई हैं तथा कुछ की स्वीकृति निकट भविष्य में अपेक्षित है । निदेशक महोदय ने अंत में सभी का आह्वान किया कि आओ आज हम स्वंत्रता दिवस के सुअवसर पर यह शपथ लें कि उपलब्ध संसाधनों में ही संस्थान को आगे ले जाने की दिशा में कार्य करते रहेंगे ।

निदेशक महोदय के संबोधन के पश्चात् संस्थान के सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों, विशेषकर बच्चों, नें बढ़-चढ़ कर भाग लिया । इस दौरान देश-भक्ति के गीत, कविताओं एवं विचारों के माध्यम से पूरा माहोल भावविभोर हो गया । इस अवसर पर बच्चों को उनके द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की प्रशंसा की गई तथा कार्यक्रम के अंत: में उन्हें पारितोषिक वितरित कर सम्मानित भी किया गया ।

अंत में निदेशक महोदय नें स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर उपस्थित होने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय भाग लेने के लिए सभी का धन्यवाद् किया तथा आश्वस्त किया की कि संस्थान भविष्य में भी इस तरह के आयोजन समय-समय पर करता रहेगा ।

स्वत्रंतता दिवस की झलकियाँ

हि.व.अ.सं.
HFRI

हि.व.अ.सं.
HFRI

हिमालयन वन अनुसंधान स
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं
में

(भारती

(भारतीय वानिकी अनुसंध
में
आपका

भारत माता की जय